सस्ते शुगर इंपोर्ट से मिलों को घाटा

शुगर पर इंपोर्ट ड्यूटी 60% करने की डिमांड

सस्ती इम्पोर्टेड चीनी के चलते डोमेस्टिक मार्केट में पिछले कुछ महीनों में दाम 300 रुपए क्विंटल तक कम हो गए हैं। इससे खासतौर पर उत्तर प्रदेश की शुगर मिल्स पर दबाव पड़ रहा है, जहां प्रोडक्शन सबसे अधिक है

[ऋतुराज तिवारी *नई दिल्ली*]

कैश की कमी झेल रही उत्तर प्रदेश की शुगर मिल्स ने पाकिस्तान और ब्राजील से देश में रॉ शुगर की बड़ी मात्रा में इम्पोर्ट पर लगाम लगाने के लिए रॉ और व्हाइट शुगर पर इम्पोर्ट ड्यूटी 10 से बढ़ाकर 60 फीसदी करने की डिमांड की है।

यूपी शुगर मिल्स एसोसिएशन के सेक्रेटरी सी एल गुप्ता ने कहा, 'कम इम्पोर्ट ड्यूटी की वजह से प्रोडक्शन सरप्लस होने के अनुमान के बावजूद चीनी के इम्पोर्ट में तेज बढ़ोतरी हुई है। सस्ती इम्पोर्टेड चीनी के चलते डोमेस्टिक मार्केट में पिछले कुछ महीनों के दौरान कीमतें 300 रुपए प्रति क्विंटल तक कम हो गई हैं। इससे खासतौर पर उत्तर प्रदेश की शुगर मिल्स पर दबाव पड़ रहा है, जहां प्रोडक्शन सबसे अधिक है।'

चीनी की कीमत अभी 3,300 रुपए प्रति क्विंटल है। वहीं, उत्तर प्रदेश की मिलों की प्रोडक्शन कॉस्ट 3,620 रुपए प्रति क्विंटल से ज्यादा है। गुप्ता ने बताया, 'इसमें 320 रुपए प्रति क्विंटल का अंतर है। 10 फीसदी लेवी का नुकसान शामिल करने के बाद राज्य की शुगर मिल्स को 79 लाख टन के अनुमानित प्रोडक्शन पर 3,500 करोड़ रुपए से ज्यादा का घाटा होगा।'

इंटरनेशनल मार्केट में चीनी सस्ती हुई है। इस वजह से री-एक्सपोर्ट और लोकल मार्केट में बिक्री के लिए विदेश से रॉ शुगर की खरीद अक्टूबर से बढ़कर 7,00,000 टन पर पहुंच गई है, जो पिछले दो साल के कुल इम्पोर्ट से ज्यादा है। पड़ोसी देश पाकिस्तान से भी बड़ी मात्रा में प्रोसेस्ड शुगर आ रही है, जो भारत की चीनी के मुकाबले कम से कम 5 रुपए किलो सस्ती है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल अविनाश वर्मा के मुताबिक, 'भारतीय मिलों को सस्ती इम्पोर्टेड रॉ शुगर को प्रोसेस करना ज्यादा फायदेमंद लग रहा है। सरकार को इम्पोर्ट ड्यूटी तुरंत बढ़ाकर 60 फीसदी करनी चाहिए।'

फूड मिनिस्ट्री ने पहले ही व्हाइट शुगर पर इम्पोर्ट ड्यूटी डबल करने की सिफारिश की है। यह फैसला अभी फाइनेंस मिनिस्ट्री के पास पेंडिंग है। फूड मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा, 'अगर फूड मिनिस्ट्री ड्यूटी बढ़ाकर 60 फीसदी करने का फैसला करती है, तो उसे फाइनेंस मिनिस्ट्री को संशोधित प्रपोजल भेजना होगा।'

कम रियलाइजेशन का असर उत्तर प्रदेश में शुगर मिल्स के प्रोडक्शन पर काफी दिख रहा है। शुगर के नए सीजन के पहले क्वार्टर में प्रोडक्शन 11 फीसदी गिरकर 19.25 लाख टन रहा। हालांकि, देश के कुल प्रोडक्शन में इस दौरान 2.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसकी वजह कर्नाटक में प्रोडक्शन 17 फीसदी और महाराष्ट्र में 4 फीसदी बढ़ना है।

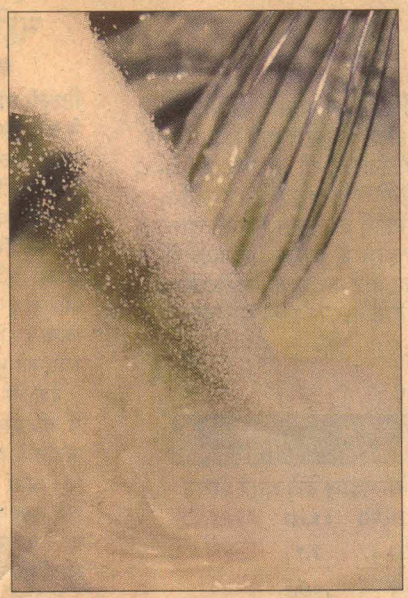

प्रोडक्शन कॉस्ट ज्यादा

- **चीनी की** कीमत अभी 3,300 रुपए प्रति क्विंटल है। उत्तर प्रदेश की मिलों की प्रोडक्शन कॉस्ट 3,620 रुपए प्रति क्विंटल से ज्यादा है
- **पड़ोसी देश** पाकिस्तान से भी बड़ी मात्रा में प्रोसेस्ड शुगर आ रही है, जो भारत की चीनी के मुकाबले कम से कम 5 रुपए किलो सस्ती है
- **फूड मिनिस्ट्री** ने पहले ही व्हाइट शुगर पर इम्पोर्ट ड्यूटी डबल करने की सिफारिश की है। यह फैसला अभी फाइनेंस मिनिस्ट्री के पास पेंडिंग है

Economic Times
3/1/13